RESEARCH PAPER | Social Science | Volume : 6 | Issue : 5 | May 2016 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 74.50

बास्केटबॉल खिलाडियों के सामाजिक व आर्थिकस्तर का अध्ययन

KEYWORDS

प्रा. अजित भिसे

गो.सी.टोम्पे कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय चांदुर बाजार, जि. अमरावती

प्रस्तावना

बास्केटबॉल एक विदेशी क्रीडा प्रकार माना जाता हैं. डॉ. जेम्स नैस्मिथ इनको इस खेल का जन्मदाता कहाँ जाता हैं. बास्केटबॉल एक संतुलमय शारीरिक क्रीयाओ का क्रीडा प्रकार हैं. इसके लीये बास्केटबॉल खिलाडीयोके विभिन्न अवयवों की मांस पेशियो मे शक्ती चुस्ती गती, लवचिकता और कार्य क्षमता आदि का होना अति आवश्यक रहता है. समाज मे अनेक प्राणी है जो अपनी विशेषताओ के कारण समाज मे अपना अलग स्थान कायम रखते हैं. समाज की निर्मिती मनुष्य सहयोग के बीना संभव नही हैं. मनुष्य से. हि समाज की निर्मिती होती हैं. इसी संदर्भ मे अरस्तु का कहना है मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैं. मानव एक सामाजिक प्राणी होने के कारण समजा मे रहकर ही वह अपना विकास करता है. वह अपने व्यक्तित्व विकास के लीये समाज मे उपलब्ध विभिन्न प्रकार के साधनो का प्रयोग करता हैं.

समाज मे व्यक्ती पर व्यक्ती समूह तथा समाज पर विभिन्न प्रकार के भौतिक भौगोलिक पारीवारीक, राजनैतिक, आर्थिक समस्याओ का प्रभाव पडता हैं. इसी प्रकार खेल मे सहभागी व्यक्ती की परीस्थितीयो तथा वातावरण का प्रभाव पडता है. व्यक्ती का किसी भि खेल मे सहभागी होना उसे मिलनेवाली सुविधाओ, साधनो उसके साथ सामाजिक परिस्थितीयो और वातावरण जैसे तथ्यो पर आधारित हैं. उपरोक्त विभिन्न कथनो से. यह स्पष्ट होता है की मनुष्य का समाज से. घनिष्ठ संबंध है.

सामाजिक स्थिती –

व्यक्ती तथा समाज के संबंध तथा उनके प्रात्यशित व्यवहार है. सामाजिक सर्वेक्षण व्यक्ती के जीवन का अध्ययन करता है की वे कैसा व्यवहार तथा कार्य करते है.

आर्थिक स्थिती –

समाज मे व्यक्ती को जो स्थान है जो उसका प्रत्याशित व्यवहार होता है. इसका संपादन तथा अनुकूल निर्वाह विविध व्यवसाय पद, धन, वंश, संस्थाओ की सदस्यता, आयु, लींग, और स्तर का निर्धारण करता हैं. कोई भि व्यक्ती अपनी रुची एवमं इच्छाओं के अनुरूप किसी भी खेल मे आकर्षित होता हैं. वह अपनी रुची के अनुरूप खेलो मे सहभाग लेता है. क्योंकी मानव हमेशा से. मनोरंजन प्रिय रहा हैं. उनमे सोचने तथा समझने की प्रवृत्ती अन्य प्राणीयो की अपेशा अधिक विकसित होती हैं. इसी कारण मानव ने अपने नियम व क्षेत्र का निर्धारण अन्य प्राणियो की अपेशा अधिक किया है. मानव अपने रीतिरिवाज, सामाजिक आयामो की रचना स्वयं करता है.

समस्या का कथन –

विदर्भस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोंगिता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडियों के सामाजिक तथा आर्थिकस्तर का अध्ययन करना.

अध्ययन कर्ता खिलाडीयों के बारे मे जानने को इच्छुक था की खिलाडी किस स्तर के सम ाज से. आते है. उनका आर्थिकस्तर कैसे होता हैं. उनको किस प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होती है. व्यक्ती के जीवन मे सामाजिक एवम आर्थिक तत्त्व हैं जो की व्यक्ती को अत्याधिक प्रभावित करते हैं. इसलिये बास्केटबॉल प्रतियोगिता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो का सामाजिक तथा आर्थिकस्तर का अध्ययन करने का प्रयास किया हैं.

अध्ययन का उद्देश –

१.) अध्ययन का मुख्य उद्देश विदर्भस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो का सामाजिक व आर्थिक स्तर का अध्ययन करना.

२.) किस स्तर के खिलाडी बास्केटबॉल क्रीडा मे भाग लेते है इसकी जानकारी प्राप्त करना तथा खिलाडीयो की सामाजिक, आर्थिक स्थिती के उपर सरकार तथा खेल अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना.

अध्ययन की आवश्यकता –

१.) इस अध्ययन से. पता चलता हैं की किस प्रकार के समाज के खिलाडी बास्केटबॉल क्रीडा मे सहभाग करते हैं. तथा उनकी आर्थिक स्थिती कैंसी हैं. इस दृष्टी से. यह अध्ययन आवश्यक हैं.

२.) इस अध्ययन से. बास्केटबॉल खिलाडीयो के विकास न होने के कारणो की जानकारी एकत्रित करने की दृष्टी से. यह अध्ययन आवश्यक हैं.

३.) भविष्य मे खेल योजनाओ के निर्माण की दृष्टी से. इस विषय का अध्ययन आवश्यक हैं.

परीकल्पना –

विदर्भस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगीता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो का सामाजिक तथा आर्थिकस्तर मध्यमस्तर का होता हैं. तथा उसको मिलनेवाली समाज व आर्थिक सुविधाए मध्यम स्तर की होती हैं और उच्च एव निम्नस्तर की मात्रा ज्यादा नही होगी.

नियंत्रित घटक –

१.) विदर्भस्तरीय के बास्केटबॉल क्रीडा के युवक खिलाडीयो परी किया गया हैं.

२.) यह अध्ययन २५ ज्युनिअर तथा २५ सीनियर वर्ग के युवक खिलाडियों पर किया गया हैं.

३.) इस अध्ययन के अंतर्गत खिलाडीयो की आयु ज्युनिअर वर्ग के लीये १६ से. १९ वर्ष और सीनियर वर्ग के लीये २० से. २५ वर्ष निर्धारित की गई हैं.

४.) इस अनुसंधान के अंतर्गत केवल खिलाडीयो का आर्थिक व सामाजिक स्तर का हि अध्ययन किया गया हैं.

अनियंत्रित घटक –

१.) जानकारी की सत्यता बास्केटबॉल खिलाडीयो के दिए हुए उत्तरो की प्रामाणिकता पर अवलंबित हैं.

आकडे संकलन करने का स्रोत –

इस अनुसंधान के अंतर्गत विदर्भस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगीता अमरावती वर्ष २०१३ उसमे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो पर अध्ययन किया गया हैं.

अध्ययन पद्धती –

वर्तमान अनुसंधान कार्य के लीये तथ्यो का संकलन का माध्यम उपस्थित खिलाडीयो पर हि किया गया हैं.

जनसंख्या के चुनाव मे निदर्शन विधी का प्रयोग

आकडो का संकलन –

जिले से सीनियर व ज्युनिअर वर्ग के खिलाडीयो का अलग अलग समूह मे उनके गुण, महत्त्व उपयोगिता समानता के आधार पर क्रमबध्द रीतीसे वर्गीकृत किया गया. प्राप्त आकडो को अंको मे परिवर्तित करने के बाद पाच स्तर मे परिवर्तित करने के लीये सारणी बनाई गयी. खिलाडीयो का स्तर निश्चित करने के लीये सांख्यिकीय पद्धती से. प्राप्त अंको को वर्ग अन्तरालो मे रखा गया.

सारणी क्र १

सीनियर वर्ग के खिलाडीयो के सामाजिक व आर्थिकस्तर का संपूर्ण अध्ययन

	स्तर	निम्न श्रेणी प्रतिशत	निम्न मध्य श्रेणी प्रतिशत	मध्यम श्रेणी प्रतिशत	उच्च मध्य श्रेणी प्रतिशत	उच्च श्रेणी प्रतिशत
अ.)	सामाजिक स्तर	१९	२५	४४	८	४
ब.)	आर्थिक स्तर	१६	१२	५९	९	४
क.)	सामाजिक आर्थिक स्तर	८	८	५५	१७	१२

Volume : 6 | Issue : 5 | May 2016 | ISSN - 2249-555X | IF : 3.919 | IC Value : 74.50

अ.) बास्केटबॉल खिलाडीयो के सामाजिक स्तर का संपूर्ण अध्ययन –

सारणी क्रमांक १ के अवलोकन से. पता चलता है की सीनियर वर्ग मे सामूहिक रूप से. मध्यम श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या सबसे अधिक ४४ प्रतिशत पाई हैं. उसके बाद निम्न मध्य श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या २५ प्रतिशत, निम्न श्रेणी के खिलाडीयोकी संख्या १९ प्रतिशत, तथा उच्च मध्य श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या ८ प्रतिशत और सबसे कम ४ प्रतिशत उच्च श्रेणी के खिलाडीयो की पाई गयी हैं.

ब.) बास्केटबॉल खिलाडीयो के आर्थिकस्तर का संपूर्ण अध्ययन–

सारणी क्रमांक १ के अवलोकन से. पता चलता है की सीनियर वर्ग मे मध्यम श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या सबसे अधिक ५९ प्रतिशत पाई गई हैं. उसके बाद निम्न श्रेणी १६ प्रतिशत, निम्न मध्य श्रेणी १२ प्रतिशत, तथा उच्च मध्य श्रेणी खिलाडीयोंकी संख्या ९ प्रतिशत अंत सबसे कम ४ प्रतिशत संख्या उच्च श्रेणी के खिलाडीयो की पाई गई हैं.

क.) बास्केटबॉल खिलाडीयों के सामाजिक व आर्थिकस्तर का संपूर्ण अध्ययन –

सारणी क्रमांक १ के अवलोकन से. पता चलता है की सीनियर वर्ग मे मध्यम श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या सबसे अधिक ५५ प्रतिशत पाई गई हैं. उसके बाद उच्च मध्य श्रेणी की संख्या १७ प्रतिशत, उच्च श्रेणी के खिलाडीयोकि संख्या १२ प्रतिशत, निम्न मध्य श्रेणी ८ प्रतिशत, निम्न श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या ८ प्रतिशत पाई गयी हैं.

सारणी क्रमांक २

ज्युनिअर वर्ग के खिलाडियों के सामाजिक व आर्थिक स्तर का संपूर्ण अध्ययन

	स्तर	निम्न श्रेणी प्रतिशत	निम्न मध्य श्रेणी प्रतिशत	मध्यम श्रेणी प्रतिशत	उच्च मध्य श्रेणी प्रतिशत	उच्च श्रेणी प्रतिशत
अ.)	सामाजिक स्तर	२१	१६	४७	१२	४
ब.)	आर्थिक स्तर	१७	१२	५९	८	४
क.)	सामाजिक आर्थिक स्तर	८	१९	४५	१६	१२

अ.) बास्केटबॉल खिलाडीयो के सामाजिक स्तर का संपूर्ण अध्ययन –

सारणी क्रमांक २ के अवलोकन से. पता चलता है की ज्युनिअर वर्ग मे मध्यम श्रेणी की संख्या सबसे अधिक ४७ प्रतिशत पाई गई है. उसके बाद निम्न श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या २१ प्रतिशत, निम्न मध्य श्रेणी के खिलाडीयों की संख्या १६ प्रतिशत,उच्च मध्य श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या १२ प्रतिशत, एव सबसे कम ४ प्रतिशत संख्या उच्च श्रेणी के खिलाडीयो की पाई गई हैं.

ब.) बास्केटबॉल खिलाडीयों के आर्थिक स्तर का संपूर्ण अध्ययन –

सारणी क्रमांक २ के अवलोकन से. पता चलता है की ज्युनिअर वर्ग मे मध्यम श्रेणी की संख्या सबसे अधिक ५९ प्रतिशत पाई गई है. उसके बाद निम्न श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या १७ प्रतिशत, निम्न मध्य श्रेणी के खिलाडीयों की संख्या १२ प्रतिशत,उच्च मध्य श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या ८ प्रतिशत, एव सबसे कम ४ प्रतिशत संख्या उच्च श्रेणी के खिलाडीयो की पाई गई हैं.

क.) बास्केटबॉल खिलाडीयो के सामाजिक व आर्थिक स्तर का संपूर्ण अध्ययन

सारणी क्रमांक २ के अवलोकन से. पता चलता है की ज्युनिअर वर्ग मे मध्यम श्रेणी की संख्या सबसे अधिक ४५ प्रतिशत पाई गई है. उसके बाद निम्न मध्य श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या १९ प्रतिशत, उच्च मध्य श्रेणी के खिलाडीयों की संख्या १६ प्रतिशत,उच्च श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या १२ प्रतिशत, एव सबसे कम ८ प्रतिशत संख्या निम्न श्रेणी के खिलाडीयो की पाई गई हैं.

परीकल्पना की जॉच –

अनुसंधानकर्ता अपने अनुसंधान का विश्लेषण करने के बाद उनका अवलोकन किया तो पाया की खिलाडीयो का सामाजिक व आर्थिक स्तर मध्यम श्रेणी का हैं. सीनियर वर्ग के खिलाडीयो का सामाजिक व आर्थिकस्तर ५६ प्रतिशत पाया गया. तथा ज्युनिअर वर्ग के खिलाडियो का सामाजिक व आर्थिक स्तर ४४ प्रतिशत मध्यम श्रेणी का पाया गया. अन्य श्रेणीयो के अपेक्षा मध्यम श्रेणी के खिलाडीयो की संख्या अधिक थी. अनुसंधानकर्ता की परीकल्पना थी की विदर्भस्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो का सामाजिक व आर्थिक स्तर अधिक अधिकाशत मध्यम श्रेणी का होता है. अनुसंधान के बाद भी यही साबित होता हैं. परिणामो को देखने से. पता चलता हैं की समस्त खिलाडीयो मे मध्यम श्रेणी के खिलाडी सबसे अधिक पाये गये हैं.

निष्कर्ष–

विदर्भस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता मे भाग लेनेवाले युवक खिलाडीयो का सामाजिक व आर्थिक स्तर मध्यम श्रेणी का पाया गया हैं. तथा खिलाडीयो का बास्केटबॉल क्रीडा मे सहभाग हेतू पिता की रुची व मित्र मंडल की बास्केटबॉल क्रीडा के प्रति रुची प्रोत्साहित करती हैं. एव बास्केटबॉल क्रीडा के सहभाग क समय पाठ्यक्रम का भारी होना अथवा समय का अभाव मुख्य समस्या आती हैं. लेकिन देश काल स्थान एव परिस्थितीयो के कारण प्राप्त निष्कर्षो मे परिवर्तन हो सकता हैं.

सुझाव –

अनुसंधानकर्ता का विचार हैं की हमारे देश मे बास्केटबॉल क्रीडा क्षेत्र मे हुए अनुसंधान बहुत हि सीमित मात्रा मे हुए हैं. तथा सामाजिक व आर्थिक इन दोनो पहलुओ का व्यक्ती की प्रत्येक क्रीयाओ पर बहुत अधिक मात्रा मे प्रभाव पडता हैं. अत प्रत्येक क्षेत्र के विकास के लीए पहले उस क्षेत्र मे संबंधित व्यक्ती की सामाजिक व आर्थिक परीस्थितीयो की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर उस क्षेत्र को और अधिक विकसित किया जा सकता हैं.

Reference

1. Koley S, Singh J. Anthropometric and physiological characteristics on Indian inter university basketball players. Journal of Physical Education and Sport 2010; 28(3):70-76.
2. Duncan, MJ, Woodfield L, Al-Nakeeb Y. Anthropometric and physiological characteristics of junior elite volleyball players. British Journal of Sports Medicine 2006; 40:649-
3. Davinder K Kansal. test and measurement in sports and physical education (New Delhi D. V. S. Pub.,) 1996, 112